इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2753

21 मार्च, 2013 को उत्तर के लिए

विजाग इस्पात संयंत्र में हुई दुर्घटना

2753. श्री देवेंदर गौड टी0 :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इस वर्ष जून में विजाग इस्पात संयंत्र में हुई औद्योगिक दुर्घटना इस्पात उद्योग में घटित सबसे बड़ी दुर्घटनाओं में से एक है, जिसमें बीस व्यक्तियों की जल कर मौत हो गई थी;

(ख) यदि हां, तो उक्त दुर्घटना का ब्यौरा क्या है;

(ग) इस दुर्घटना के कारण क्या थे;

(घ) मंत्रालय ने दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की है; और

(ड.) विज्ञान और पर्यावरण केन्द्र द्वारा हाल ही में जारी की गई हरित रेटिंग संबंधी आंकड़ों में विजाग इस्पात संयंत्र के सबसे आखिरी पायदान पर होने के क्या कारण हैं ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): जी, हां। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र (वीएसपी) में दिनांक 13 जून, 2012 को स्टील मेल्टिंग शॉप-2 के कनवर्टर को चालू करते समय ऑक्सीजन प्रेशर रिड्यूसिंग स्टेशन-3 में विस्फोट होने के कारण एक दुर्घटना हो गई थी। 19 लोगों की जानें गई थी। पीडितों के रूप में आरआईएनएल-वीएसपी के 12 कर्मचारी, जबकि परामर्शदाता और ठेकेदारों के क्रमश: 4 और 3 कर्मचारी शामिल थे।

(ग) और (घ): भारत सरकार ने दुर्घटना की जांच करने और भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक सिफारिशें प्रदान करने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। यूनिट के पुनरूद्धार हेतु नए विनिर्देशन तय करते समय समिति द्वारा की गई सिफारिशों पर विचार किया जाता है। कारखाना निदेशालय द्वारा एक तीन सदस्यीय समिति से भी जांच कराई गई थी और आरआईएनएल ने इसकी सिफारिशों की अनुपालना पर कार्रवाई कर ली है। "अधिक ऑक्सीजन वाली प्रणालियों में आग से रोकथाम" विषय पर आईआईटी, खडगपुर के एक प्रख्यात प्रोफेसर के तत्वावधान में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से आयोजित करवाया गया था। एक कार्यकारी निदेशक की नियुक्ति करके सुरक्षा विभाग को और अधिक सुदृढ़ बनाया गया है।

(ड.) विज्ञान और पर्यावरण केंद्र, नई दिल्ली द्वारा दिए गए दर्जे के अनुसार आरआईएनएल शीर्ष 3 इस्पात कंपनियों में से एक है। आरआईएनएल को "3 लीब्स" भी प्रदान किया गया है और यह पर्यावरण के मामले में अच्छा कार्य निष्पादन करने वाले विज्ञान और पर्यावरण केंद्र द्वारा निर्धारित तीन शीर्ष इस्पात संयंत्रों में शामिल है।

****